भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान

श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)

ICAR- CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE

Sri Ganganagar Highway, Beechwal- BIKANER-334006

e-mail- ciah@nic.in, www.ciah.icar.gov.in. Phone-0151-2250960 : Fax-2250145

Farmer Advisory-IV
दिनांक 23.05.2020

शुष्क बागवानी फसलों के संरक्षण एवं उचित देखभाल करने की किसानो को सलाह

1. इस समय वातावरण का तापमान लगातार बढ़ रहा है और गर्म लू चलने की भी संभावना है। इसीलिए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अपनी बागवानी फसलों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए समय-समय पर जीवन रक्षक सिंचाई (Life saving irrigation) करते रहें और नमीं सरक्षण के लिए उचित पुआल जैसे घास-फूस व शेडनेट का भी उपयोग भी करें।

2. अभी खजूर के फलों का बढ़ने का समय है और वातावरण का तापमान लगातार बढ़ रहा है। अत: खजूर के पेड़ों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें ताकि फलों की अच्छी बढ़वार हो सके और भीषण गर्मी से कोई नुकसान नहीं हो। फलों पर पक्षियों का प्रकोप हो सकता है । अत: किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि फलों को पक्षियों से बचाने के लिए, फल गुच्छों को जाली या एल्डी-मिल्की-यूवी प्लास्टिक बैग (थैला) से ढक दें। परंतु ध्यान रहे कि बैग का नीचला सिरा खुला रहे ताकि हवा व प्रकाश फलों को पर्याप्त मात्रा में मिलते रहें।

3. किसान भाईयों को यह भी सलाह दी जाती है कि जिन्होने अभी तक अपने खेतों की जुताई नही की है, वे इस समय भी अपने खेतों की गहरी जुताई कर सकते है। इसके लिए मिट्टी पलटने वाले हल जैसे-मोल्ड बोल्ड हल, डिस्क प्लाऊ या डिस्क हेरो से 8-10 इंच की गहराई तक जुताई करनी चाहिए ताकि इस समय वातावरण के उच्च तापक्रम के कारण जमीन के अंदर स्थित हानिकारक कीट पतंगों की लट, अंडा, प्युपा व हानिकारक सूक्ष्म जीव आदि संपूर्ण रूप से नष्ट हो जाये। ऐसा करने से मिट्टी की वर्षा जलधारण क्षमता भी बढ़ जाएगी एवं जल, प्रकाश, वायु व तापक्रम का संचरण भी पर्याप्त हो जाएगा जो अगली फसल के अच्छे उत्पादन के लिए अनिवार्य है। साथ ही इससे भूमि की भौतिक एवं रासानिक सरचना में भी सुधार होगा और साथ-साथ मिट्टी भी मुलायम व भूरभरी हो जाएगी जो कि अगली फसल की अच्छी पैदावार के लिए बहुत जरूरी है। यह जुताई लवणीय-क्षारीय मृदाओं में सुधार का भी कार्य करेगी।

4. कुछ दिनों से पश्चिमी राजस्थान में टिड्डियों के आक्रमण की आशंका बनी हुई है। अत: किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अपनी बागवानी फसलों व पेड़-पौधों को टिड्डियों के आक्रमण व नुकसान से बचाने के लिए निकटतम कृषि विभाग, टिड्डी नियंत्रण कार्यालय से संपर्क करें और उनके मार्गदर्शन से उचित रासायनिक दवाईयों का छिड़काव करें। इसके अलावा टिड्डी दल का फसलों व पेड़-पौधों पर आक्रमण/ बेठने से रोकने लिए अपने देशी तरीके जैसे किसी भी ध्वनी यंत्र, लोहे की वस्तु- पीपा, थाली, बर्तन, घण्टी, इत्यादि को ज़ोर ज़ोर से बजाने तथा आवाज करने से भी टिड्डी दल उड़ जाती है और अधिक नुकसान होने से बचा जा सकता है। साथ ही टिड्डियों के आक्रमण की आशंका होने पर खेत में कचरे व घास-फूस की छोटी-छोटी ढेरियाँ बनाकर धुआँ करनी चाहिए।

5. इस समय कोविड-19 के संक्रमण के चलते किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अपने खेती कार्य करते समय उचित सामाजिक दूरी (6-7 फीट) बनाए रखें, मुँह पर मास्क का प्रयोग करें एवं हाथों को साबून से बार-बार धोते रहें। कृषि कार्यों में उपयोग लिए जाने वाले औज़ार व मशीन जैसे थ्रेशर, ट्रेक्टर, ट्रोली, हल, स्प्रेयर व अन्य औजारों की सफाई व उचित सेनीटाईजेशन करके ही उपयोग में लें।